हरिहर काका पाठ के आधार पर महंत का चरित्र चित्रण कीजिए।

Ans. महंत दबंग प्रवृत्ति के व्यक्ति हैं। आध्यात्मिक ज्ञान से भरपूर, किंतु व्यवहार में महा स्वार्थी हैं। धर्म के नाम पर लोगों को छलना, ठगना और अपना उल्लू सीधा करना उन्हें अच्छी तरह आता है।

जब भी वे किसी व्यक्ति को निराश दुःखी या परेशान देखते, तुरंत मोह माया की बातें कर थोड़ी ही देर में उसे अपने ~~क~~ जाल में फाँस लेते हैं। यदि कोई व्यक्ति ~~को निराश दुःखी या परेशान देखते, तुरंत मो~~ व्यक्ति सीधी तरह उनके चंगुल में नहीं आता है और ऐसे में वह - जोर - जबरदस्ती का सहारा लेना भी आता है और ऐसे में वह जोर-जबरदस्ती का सहारा लेने से भी नहीं हिचकते हैं। महंत एक अपहरणकर्ता के रूप में भी सामने आता है जब वह जान जाता है कि हरिहर काका अपने परिवार की मोह-माया में फँसकर रह गए हैं,

तब वह उनका उपदेश करने की अपनी योजना को कार्य रूप में परिणत करने के लिए जी-तोड़ से जुट जाता है। इस प्रकार कहा सकते हैं कि महत धर्म.